भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 21 जून, 2025
जारी करने का समय: 1350 घंटे

विषय: (i) 21-26 जून, 2025 के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात और कोंकण एवं गोवा में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 21 और 23 जून को क्रमशः गुजरात क्षेत्र और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

(ii) अगले 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- मानसून की उत्तरी सीमा 25.0°N/60.0°E, 25.0°N/65.0°E, 25.5°N/70.0°E, जयपुर, आगरा, रामपुर, देहरादून, शिमला, मनाली और 33.5°N/79.0°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 2 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर-गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद के कुछ हिस्सों, लद्दाख के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। अगले 2 दिनों के दौरान जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के शेष हिस्सों, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों और चंडीगढ़ और दिल्ली में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए भी परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।

आज, 21 जून, 2025 को 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति (अनुलग्नक II):

- कुछ स्थानों पर **भारी से बहुत भारी वर्षा** के साथ गुजरात क्षेत्र में अलग-थलग स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा** दर्ज की गई।
- पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र में अलग-थलग स्थानों पर; झारखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिम राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और मेघालय, कोंकण, तटीय कर्नाटक में अलग-थलग स्थानों पर भारी वर्षा **भारी से बहुत भारी वर्षा** दर्ज की गई।
- **गरज के साथ तूफानी/तेज हवाएँ, जिनकी गति 60-120 किमी प्रति घंटा है,** गुजरात क्षेत्र, बिहार में अलग-थलग स्थानों पर; 40-60 किमी प्रति घंटा की गति के साथ कोंकण और गोवा, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, विदर्भ, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में अलग-थलग स्थानों पर दर्ज की गई।

मौसम के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक II देखें।

आज के 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान **अधिकतम तापमान** के विस्तृत अवलोकन **अनुलग्नक III** में संलग्न हैं।

मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (परिशिष्ट IV & V देखें):

- **दक्षिण-पश्चिम बिहार और आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र** सक्रिय है, जिसके साथ मध्य क्षोभमंडल में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। यह अगले **12 घंटों** में धीरे-धीरे **उत्तर-पश्चिम दिशा** में बढ़ने और कमजोर होने की संभावना है।
- **उत्तर-पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों** में निचले क्षोभमंडल में एक **ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण** मौजूद है।
- **एक द्रोणिका** उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश से दक्षिणी गुजरात क्षेत्र तक फैली हुई है, जो निम्न दबाव के क्षेत्र (दक्षिण-पश्चिम बिहार) और मध्य प्रदेश के मध्य भागों से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से होकर गुजरती है। यह निचले क्षोभमंडल में सक्रिय है।
- **असम के मध्य भागों** में निचले क्षोभमंडल में एक **ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण** मौजूद है।
- **एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका** मध्य पाकिस्तान से असम के मध्य भागों में स्थित उपरोक्त ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण तक फैली हुई है। यह उत्तर-पश्चिमी राजस्थान, उत्तर-पूर्वी राजस्थान पर स्थित चक्रवाती परिसंचरण, उत्तरी मध्य प्रदेश, दक्षिण-पश्चिम बिहार पर स्थित निम्न दबाव से जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण, गंगीय पश्चिम बंगाल और मेघालय से होकर गुजरती है। यह निचले क्षोभमंडल में सक्रिय है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी एवं मध्य भारत:

- 23 जून को मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे)** की संभावना है।
- 21 से 27 जून तक मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर **भारी से अत्यधिक भारी वर्षा** जारी रहने की संभावना है।
- 21 से 24 जून तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार; 21 और 22 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 22, 24 और 25 जून को झारखंड; 24 और 25 जून को ओडिशा; 22 जून और 24 से 26 जून तक गंगीय पश्चिम बंगाल; 24 से 27 जून तक विदर्भ; 21 जून और 24 से 27 जून तक छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर **भारी वर्षा** के साथ 22 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा 24 जून को छत्तीसगढ़ में **अत्यधिक भारी वर्षा** की संभावना है।
- 21 से 27 जून तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 21 जून को गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे)** की संभावना है।
- 21 से 27 जून तक कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात में कुछ स्थानों पर **भारी से अत्यधिक भारी वर्षा** की संभावना है।
- 21 से 27 जून तक गुजरात, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 21 से 27 जून तक जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान; 21 से 26 जून तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़; 21 से 24 जून तक उत्तर प्रदेश; 21 जून को पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर **भारी वर्षा** की संभावना है।
- 21 से 23 जून तक पूर्वी राजस्थान; 22 जून को दक्षिण हरियाणा, पंजाब; 22 और 23 जून को उत्तर प्रदेश; 22 से 25 जून तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में **अत्यधिक भारी वर्षा** की संभावना है।
- 21 से 27 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 30-40 किमी/घंटा की तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों तक पूर्वोत्तर भारत में कई/अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 22 से 27 जून तक केरल और माहे; 22 से 25 जून तक तटीय कर्नाटक; 23 से 25 जून तक दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर **भारी वर्षा** की संभावना है।
- 21 से 25 जून तक केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में कुछ/बिखरी हुई वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

अधिकतम तापमान पूर्वानुमान:

- देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान में कोई **विशेष परिवर्तन** होने की संभावना नहीं है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- 21 और 22 जून को तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में; 21 से 24 जून तक तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा में **गर्म और आर्द्र मौसम** की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर:

- मछुआरों को दिन 1 से 4 (21 से 25 जून) तक गुजरात तट के साथ और आसपास के क्षेत्रों में; दिन 5 (25 से 26 जून) तक गुजरात तट से दूर; दिन 1 (21 जून) को उत्तर कोंकण तट; दिन 2 और दिन 4 (22 से 25 जून) तक संपूर्ण कोंकण तट; दिन 5 (25 जून) को कोंकण तट से दूर न जाने की सलाह दी जाती है।
- मछुआरों को दिन 1 से दिन 5 (21 से 26 जून) तक सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान तथा यमन के आसपास के तटीय एवं समुद्री क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है।
- दिन 1 से दिन 5 (21 से 24 जून) तक मध्य और आसपास के उत्तरी, दक्षिणी अरब सागर में न जाएँ।
- दिन 1 से दिन 5 (21 से 26 जून) तक उत्तर-पूर्वी अरब सागर के कई हिस्सों में न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- मछुआरों को दिन 1 से दिन 3 (21 से 24 जून) तक उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ और आसपास; दिन 4 (24 जून) को आंध्र प्रदेश तट से दूर; दिन 4 (24 जून) को ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट से दूर; दिन 5 (25 जून) को ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट के साथ और आसपास न जाने की सलाह दी जाती है।
- दिन 1 से दिन 5 (21 से 26 जून) तक बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग के कई हिस्सों में न जाएँ।
- दिन 1 से दिन 3 (21 से 24 जून) तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; दिन 4 और दिन 5 (24 और 25 जून) को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में न जाएँ।
- दिन 1 से दिन 3 (21 से 24 जून) तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्सों में न जाएँ।
- मछुआरों को दिन 2 से दिन 4 (22 से 25 जून) तक अंडमान सागर में न जाने की सलाह दी जाती है।

उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने की गतिविधियाँ पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 21 जून से 24 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक VI)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

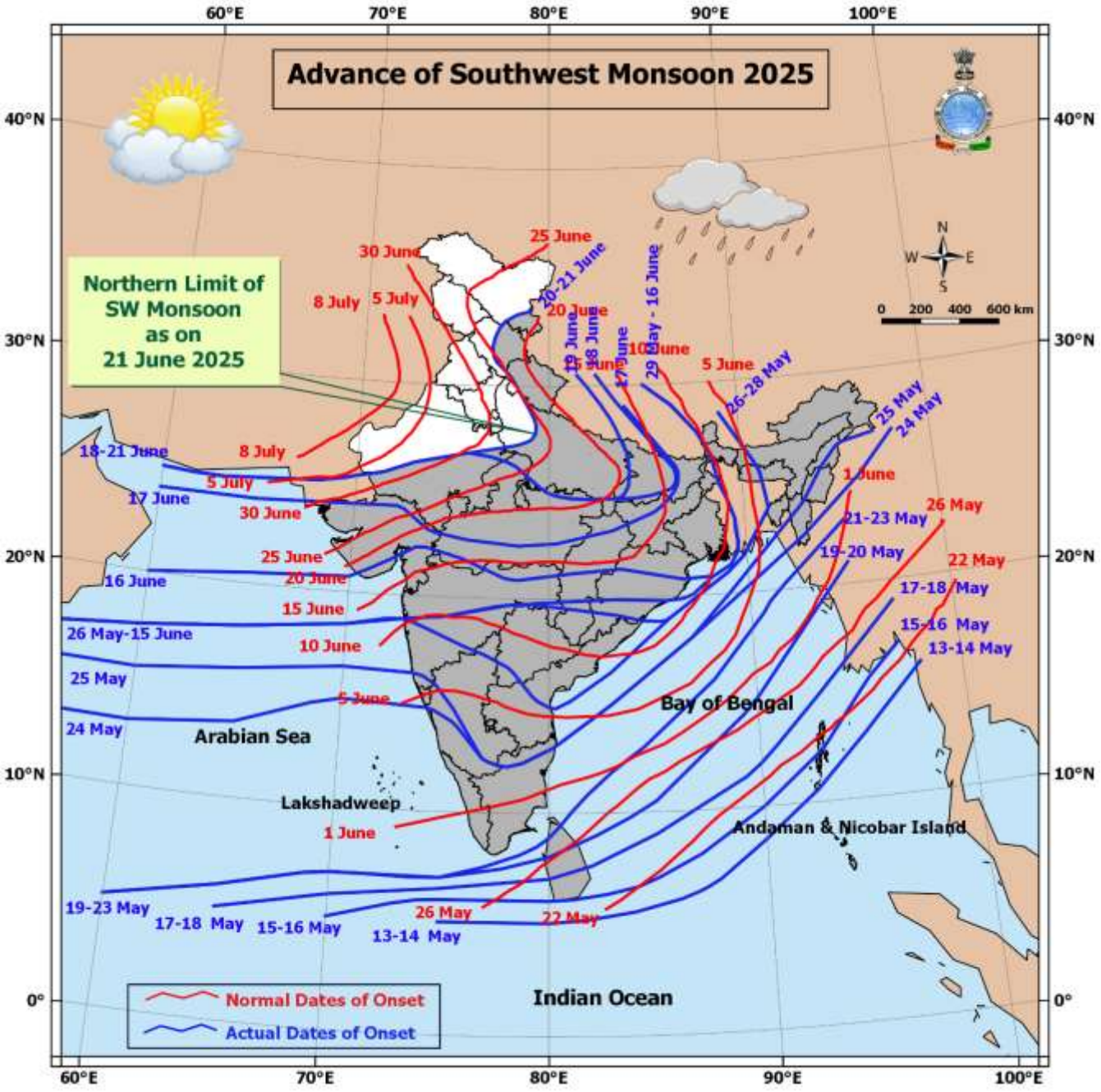

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **गुजरात क्षेत्र:** जाम्बुघोडा (जिला पंचमहल) 20; जेटपुर पावी (जिला छोटा उदयपुर) 13; पेटलाद (जिला आनंद) 9; कापराडा (जिला वलसाड) 8; तारापुर (जिला आनंद), हालोल (जिला पंचमहल) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** कठिवाडा (जिला अलीराजपुर) 19; भाभरा (जिला अलीराजपुर) 17; उदयगढ़ (जिला अलीराजपुर) 13; बड़ावास (जिला शिवपुरी) 10; करेरा (जिला शिवपुरी), राणापुर (जिला झाबुआ) 9 प्रत्येक; अलीराजपुर (जिला अलीराजपुर), जाबोट (जिला अलीराजपुर), झाबुआ-एडब्ल्यूएस (जिला झाबुआ), बडोदा (जिला श्योपुर), करहल (जिला श्योपुर) 8 प्रत्येक; गुना-एडब्ल्यूएस (जिला गुना), बामोरी (जिला गुना) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान:** निवाई (जिला टोंक) 16; चाकसू (जिला जयपुर) 15; छोटकाबरवाडा एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 14; उनियारा/अलीगढ़ (जिला टोंक), बूंदी (जिला बूंदी), सिकराई (जिला दौसा) 12 प्रत्येक; कोटा-एयरो (जिला कोटा), पीपलदा एसआर (जिला कोटा), नादोती (जिला करौली), फागी (जिला जयपुर), पाटन (जिला बूंदी) 11 प्रत्येक; बड़ेसर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 10; तालेरा एसआर (जिला बूंदी), आत्रू एसआर (जिला बारां), करौली (जिला करौली) 9 प्रत्येक; टोंक वनस्थली (जिला टोंक), लाडपुरा एसआर (जिला कोटा), सवाईमाधोपुर तहसील एसआर (जिला सवाई माधोपुर), मोजामाबाद एसआर (जिला जयपुर) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश:** घोरावल (जिला सोनभद्र) 14; भिंगा (जिला श्रावस्ती) 11; रॉबर्ट्सगंज (जिला सोनभद्र), माणिकपुर (जिला चित्रकूट) 7 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र:** राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 12; शाहूवाडी (जिला कोल्हापुर) 8; महाबलेश्वर (जिला सतारा), अजरा (जिला कोल्हापुर), गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** सिहावल (जिला सीधी) 12; हनुमाना (जिला रीवा) 9; नैगढ़ी (जिला रीवा) 7;
- **छत्तीसगढ़:** सुरजपुर (जिला सुरजपुर) 11; मनोरा (जिला जशपुर), पटना (जिला कोरिया) 9 प्रत्येक; बैकुंठपुर (जिला कोरिया), शंकरगढ़ (जिला बलरामपुर), सन्ना (जिला जशपुर) 7 प्रत्येक;
- **पंजाब:** शाहपुर कंडी (जिला पठानकोट) 11; माधोपुर (जिला पठानकोट) 7;
- **हिमाचल प्रदेश:** कांगड़ा एपी (जिला कांगड़ा) 9;
- **उत्तराखंड:** नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टिहरी) 8;
- **झारखंड:** गढ़वा केवीके एडब्ल्यूएस (जिला गढ़वा), जगन्नाथपुर बाउ केवीके एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम सिंहभूम), बरकागांव (जिला हजारीबाग) 8 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा:** सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), धनौ (जिला पालघर) 8 प्रत्येक; संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरि) 7;
- **असम और मेघालय:** मॉसिनराम (जिला पूर्व खासी हिल्स), चेरापूंजी (जिला पूर्व खासी हिल्स) 8 प्रत्येक; चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर), एन.लखीमपुर/लीलाबाड़ी (जिला लखीमपुर) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 7;
- **जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद:** कठुआ एआरजी (जिला कठुआ) 7;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश:** झांसी (जिला झांसी) 7;
- **बिहार:** गढ़ी (जिला जमुई) 7.

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 21 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- **गुजरात क्षेत्र:** गोधरा (पंचमहल) 118;
- **बिहार:** अरवल (74), सुखेत (41), अररिया, पूसा (35), मधेपुरा (33), पूर्वी चंपारण, अर्राबाड़ी, सरैया (31), डुमरांव, मुजफ्फरपुर, सुपौल (30);
- **कोंकण और गोवा:** अलीबाग (रायगढ़) - 59;
- **सौराष्ट्र-कच्छ:** धारी (अमरेली) 57;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह:** श्री विजयपुरम (56), हट बे (33), शहीद द्वीप (31);
- **मध्य महाराष्ट्र:** विल्होली (नासिक)-56, महाबलेश्वर (सतारा)-56;
- **मराठवाड़ा:** छः संभाजी नगर 46;
- **अरुणाचल प्रदेश:** निचला टाटो 44;
- **असम और मेघालय:** मावकिरवाट (स्वख) 44;
- **विदर्भ:** यवतमाल 43;
- **झारखंड:** चतरा (39), खूंटी (30);
- **हिमाचल प्रदेश:** बजौरा 39;
- **पंजाब:** जालंधर 39;
- **उत्तराखंड:** पंतनगर-36;
- **जम्मू-कश्मीर-लद्दाख:** जम्मू और रामबन 33;
- **ओडिशा:** जगतसिंहपुर (31), केंद्रपाड़ा (31), अंगुल (30);
- **गंगीय पश्चिम बंगाल:** दीघा, सागर द्वीप (30);

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे IST तक तापमान अवलोकन:

- कल, पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान 38-43°C के बीच रहा। पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, तेलंगाना में कई स्थानों पर; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, ओडिशा में कुछ स्थानों पर; पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात राज्य, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर 33-37°C के बीच और देश के शेष हिस्से में कहीं-कहीं 33 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। **कल, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 42.8°C श्री गंगानगर (पश्चिमी राजस्थान) में दर्ज किया गया।**

- **अधिकतम तापमान विचलन (21-06-2025):** जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर (> 5.1°C) था। ओडिशा, विदर्भ और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था। तटीय कर्नाटक में कई स्थानों पर; तेलंगाना और रायलसीमा में कुछ स्थानों पर; कोंकण और गोवा तथा केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) था। पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कई स्थानों पर; अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, मराठवाड़ा, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर; पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र, बिहार, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात क्षेत्र और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहा।

चित्र 1): अधिकतम तापमान

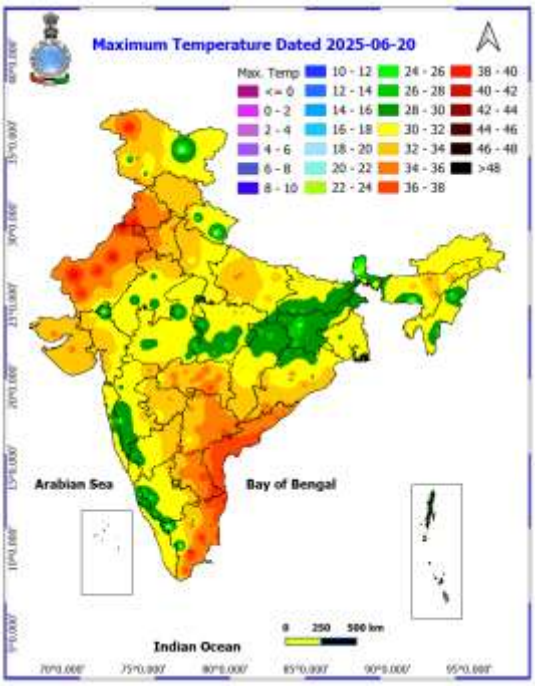

चित्र 2): अधिकतम तापमान का विचलन

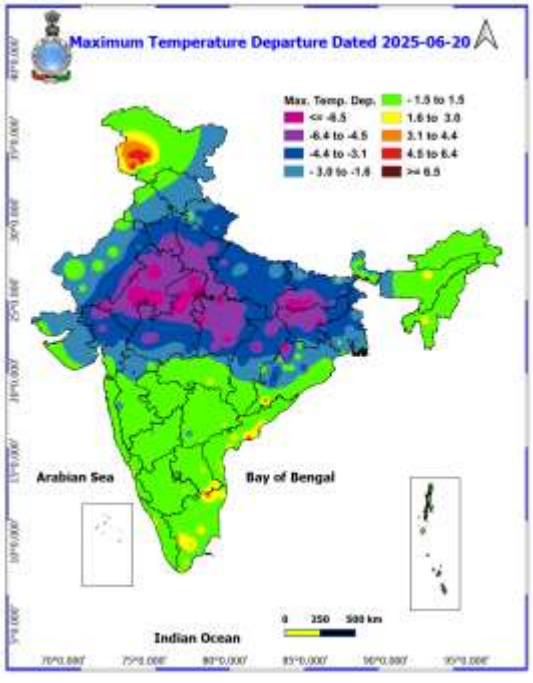

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- Jun	22- Jun	23- Jun	24- Jun	25- Jun	26- Jun	27- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	WS	WS	SCT	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	SCT	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	WS	SCT	SCT	WS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

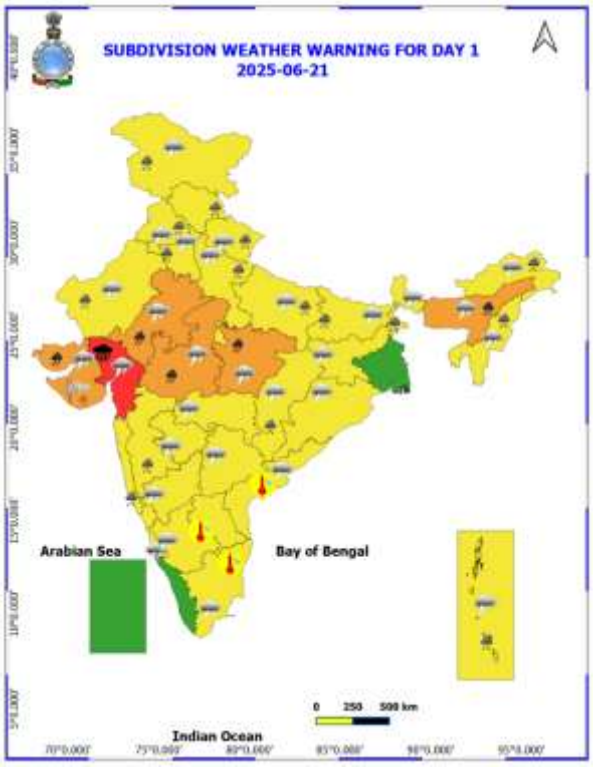
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

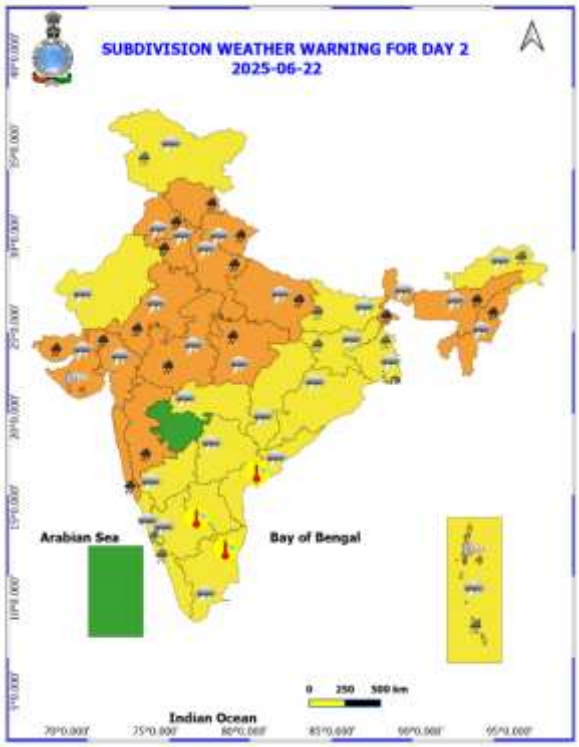
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

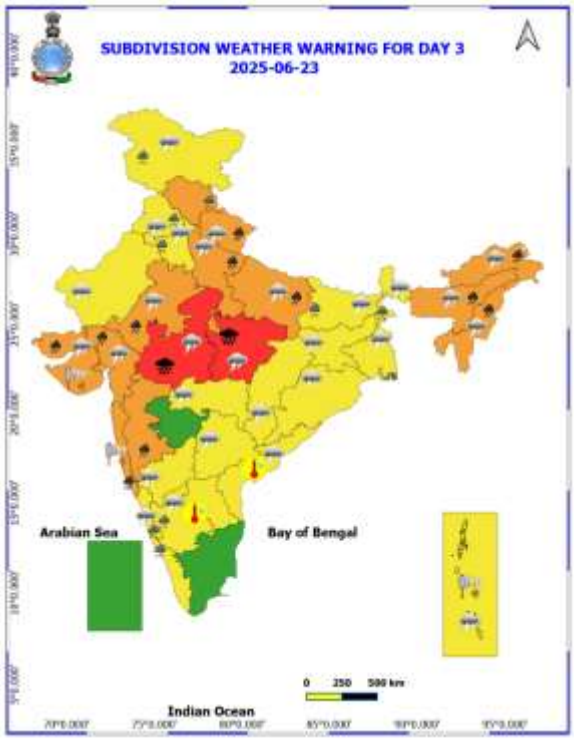
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

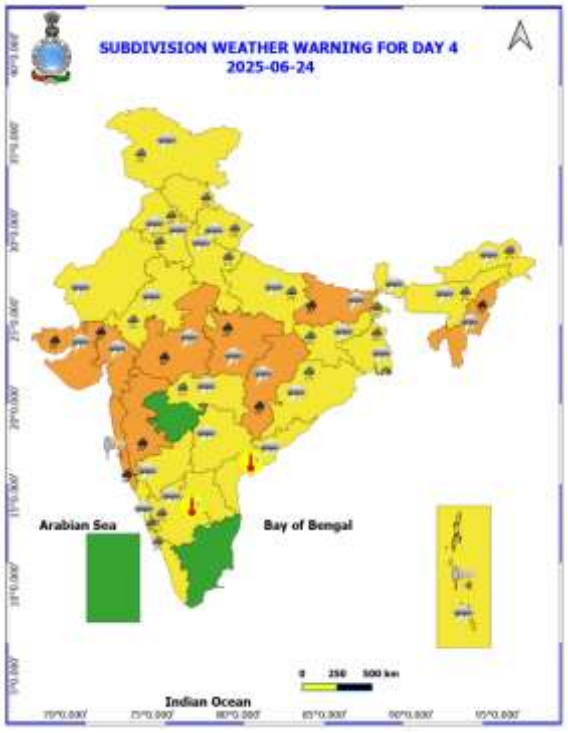

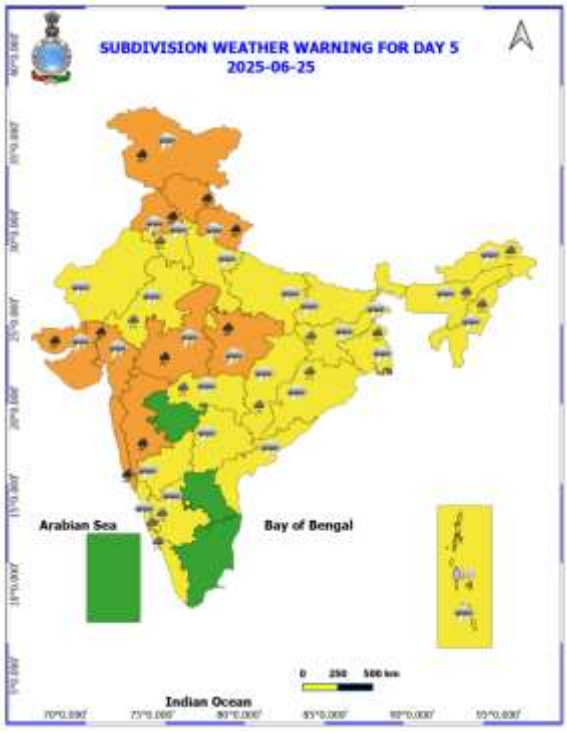

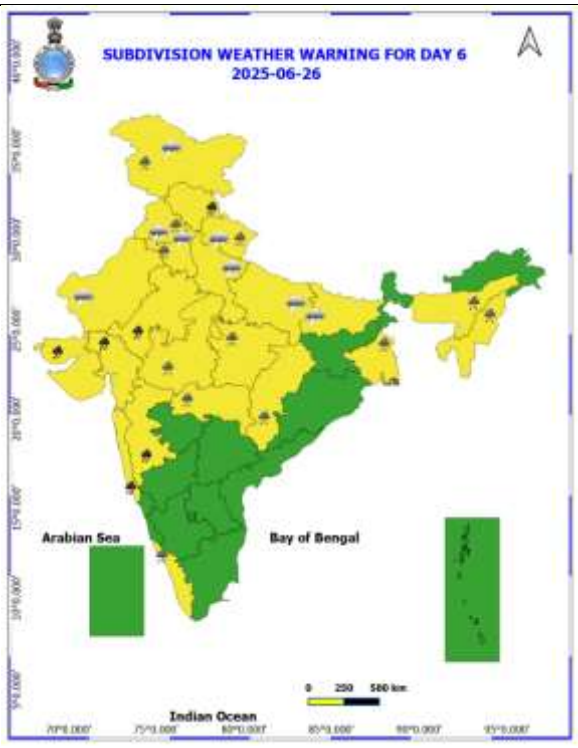

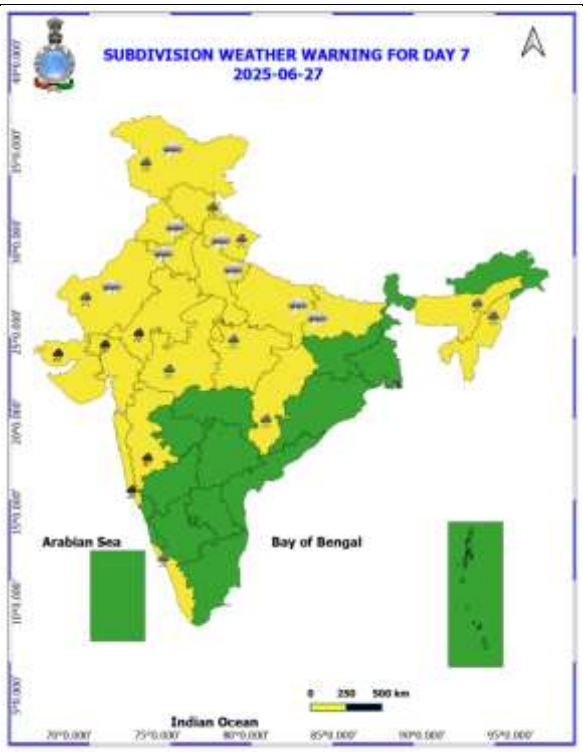

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक VI

दिल्ली/एनसीआरकेलिएमौसमपूर्वानुमान (21 से 24 जून 2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगभग 1°C की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 1 से 2°C तक की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 25 से 27°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 8°C तक कम दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान आकाश आमतौर पर बादलों से ढका रहा और सतही हवाएं पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से चलीं जिनकी गति 18 किमी प्रति घंटा तक रही। आज पूर्वाह्न में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा से कम रही, जो पूर्व दिशा से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

21.06.2025: आकाश आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। शाम/रात्रि की ओर बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है जिनकी गति 30-40 किमी प्रति घंटा होगी और गरज के साथ अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। अधिकतम तापमान 36 से 38°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा। सतही हवाएं दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, जो धीरे-धीरे घटकर शाम और रात में 10-12 किमी प्रति घंटा रह जाएंगी।

22.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलों से ढका रहेगा। गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी वर्षा की संभावना है। हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती हैं और गरज के दौरान अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं। अधिकतम तापमान 35 से 37°C और न्यूनतम तापमान 27 से 29°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय सतही हवाएं दक्षिण दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा और शाम/रात्रि में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

23.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलों से घिरा रहेगा। गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी वर्षा की संभावना है। हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती हैं, गरज के दौरान अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं। अधिकतम तापमान 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5°C तक कम रहेगा। सुबह के समय सतही हवाएं दक्षिण दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम और शाम/रात्रि में घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम रह जाएगी।

24.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलों से ढका रहेगा। गरज/चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 से 36°C और न्यूनतम तापमान 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय हवाएं पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा से कम और शाम/रात्रि में बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम रह सकती है।

गरज के साथ बिजली/तेज हवाओं के प्रभाव और सुझावित कार्यवाही:

- सतर्क रहें और सावधानी बरतें क्योंकि गरज, बिजली और धूल भरी तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- पेड़ों की शाखाओं के टूटने, बड़े पेड़ों के गिरने, सूखी टहनियों के उड़ने, फसलों को नुकसान, बिजली/संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीली वस्तुओं के उड़ने की संभावना।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं, घर के अंदर रहें, खिड़कियां/दरवाजे बंद करें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, कंक्रीट की मंजिल पर न लेटें, कंक्रीट की दीवारों के सहारे न लगें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से दूर रहें और विद्युत चालक वस्तुओं से बचें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- 21 जून को गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर; 23 जून को मध्य प्रदेश में **अत्यधिक भारी वर्षा (> 20 सेमी/24 घंटे)** होने की संभावना है।
- 21-27 जून के दौरान मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य में; 21-23 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 22 जून को दक्षिणी हरियाणा, पंजाब में; 22 और 23 जून को उत्तर प्रदेश में; 22-25 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में **बहुत भारी वर्षा** जारी रहने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **दक्षिण गुजरात में**, धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें।
- **पूर्वी मध्य प्रदेश** के **काइमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में, परिपक्व मूंग और उड़द की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, परिपक्व मक्का की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। सोयाबीन की बुवाई और मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की रोपाई को स्थगित करें तथा पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **उत्तराखंड** में चावल की नर्सरी, अरहर, मूंगफली, मक्का, सोयाबीन, बाजरा और रागी की फसलों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, परिपक्व वसंत मक्का की फसल और सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) की कटाई करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **हिमाचल प्रदेश** के **उप-पर्वतीय और निम्न पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पहाड़ी उप-आर्द्र क्षेत्र** में, भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा के पके हुए फलों की कटाई करें। मक्का,

ककड़ी और टमाटर के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। खीरे की लताओं और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, धान की नर्सरी को भारी वर्षा के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने हेतु आवश्यक व्यवस्था बनाए रखें। **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में अरहर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। लौकीवर्गीय सब्जियों को सहारा प्रदान करें।
- **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी और केले के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **उत्तरी छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और सिट्रस फलों की कटी/ तोड़ी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **असम** के **बराक घाटी क्षेत्र** में, साली धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचाव के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **नागालैंड** में, TRC/WRC चावल की रोपाई से बचें। सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। बेलवर्गीय पौधों को उचित सहारा प्रदान करें।
- **त्रिपुरा** में, ऑस धान की क्यारियों को जलभराव से बचाने हेतु रेत की बोरियों का उपयोग करें। केले, पपीते और फलों के नए पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा दें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में**, धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **झारखंड में,** मक्का के खेतों, धान और सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

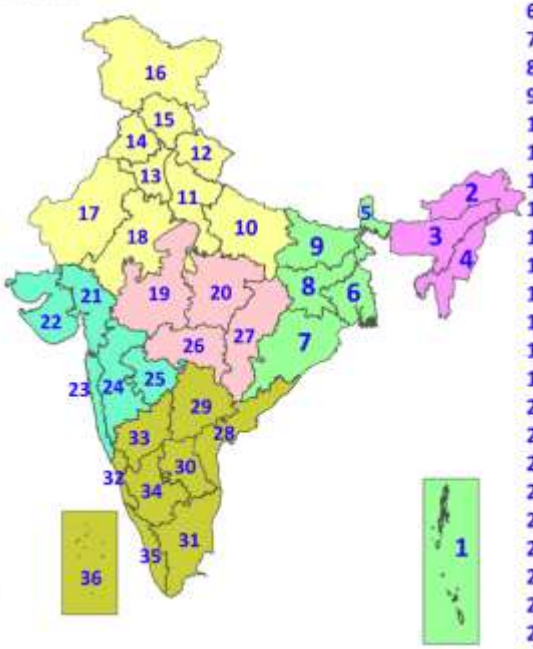

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)